नीलगिरि, सूरत और वाग्शीर का कमीशन

स्रोत: इकोनॉमिक टाइम्स

भारतीय नौसेना ने 15 जनवरी 2025 को मुंबई के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) में निर्मित **नीलगिरि**, **सूरत** और वाग्शीर को अपने बेड़े में शामिल करने की घोषणा की है।

- **नीलगिरि:** यह प्रोजेक्ट 17A का प्रमुख पोत है जो शिवालिक श्रेणी के फ्रिगेटों की तुलना में बेहतर है, जिसमें नौसेना की रक्षा को मज़बूत करने के लिये उन्नत **स्टील्थ प्रौद्योगिकी** और अत्याधुनिक हथियार प्रणालियाँ शामिल हैं।
- **सूरत:** यह प्रोजेक्ट 15B के तहत चौथा और अंतिम विध्वंसक पोत है जो **कोलकाता श्रेणी के विध्वंसक पोत** का उन्नत संस्करण है और यह **लंबी दूरी की मिसाइलों** तथा स्वदेशी हथियार प्रणालियों से सुसज्जित है।
  - **प्रोजेक्ट 15B** भारतीय नौसेना की चार उन्नत निर्देशित मिसाइल विध्वंसक पोतों के डिज़ाइन और निर्माण की एक पहल है।
- **वाग्शीर: स्कॉर्पीन श्रेणी (प्रोजेक्ट 75)** की छठी पनडुब्बी विश्व स्तर पर सबसे प्रभावी डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों में से एक है जो **सतह-रोधी और पनडुब्बी-रोधी युद्ध** के साथ निगरानी तथा विशेष अभियानों में सक्षम है।
  - **प्रोजेक्ट-75 (भारत)** का लक्ष्य भारतीय नौसेना के लिये **18 पारंपरिक पनडुब्बियाँ और छह परमाणु ऊर्जा संचालित पनडुब्बियाँ** बनाना है।

और पढ़ें: प्रोजेक्ट 17A और आईएनएस तारागिरी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/commissioning-of-nilgiri,-surat-and-vaghsheer